सूचना दि० 24-10-2015 को 12-00 बजे तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

अत्यावश्यक / तुरन्त

प्रेषक,

निदेशक,
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सेवा में,

1–समस्त अपर निदेशक ग्रेड–।।,पशुपालन विभाग,उ0प्र0।
2–अपर निदेशक ग्रेड–2, पशु जैविक औषधि संस्थान, बादशाहबाग लखनऊ।
3–संयुक्त निदेशक, अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र,चकगंजरिया (रहमानखेड़ा) लखनऊ / निबलेट बाराबंकी / बाबूगढ़ हापुड़।
4–संयुक्त निदेशक, सघन भेड़ एवं ऊन विकास प्रायोजना, मिर्जापुर।
5–संयुक्त निदेशक, वृहद भेड़ प्रजनन प्रक्षेत्र, भैसोड़ा, नौगढ़–चन्दौली।
6–संयुक्त निदेशक, अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र, मंझरा खीरी।
7–संयुक्त निदेशक, भदावरी भैंस एवं जमुनापारी बकरी प्रजनन प्रक्षेत्र, इटावा।
8–प्रधानाचार्य आदर्श प्रशिक्षण एवं उत्पादन केन्द्र, बक्शी का तालाब, लखनऊ।
9–एनीमल न्यूट्रीशन पशु आहार प्रयोगशाला,निदेशालय कैम्पस, लखनऊ।
10–उप निदेशक (प्रक्षेत्र), पशुपालन विभाग, महानगर लखनऊ।

संख्या 4254 / स्था0–2 / 1–ख / 13(2180) / 2014 दिनांक 15-10-2015

विषयः **लिपिकीय संवर्ग के समस्त पदों की अद्यतन स्थिति अनुसार स्वीकृत / कार्यरत / रिक्त एवं अधिसंख्य पदों की सूचना उपलब्ध कराने विषयक।**

महोदय,

कृपया उपरोक्त के संदर्भ में पशुपालन विभाग में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों के सेवायोजन के सम्बन्ध में शासन के प्रशासकीय विभाग द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या–4679 / 37–1–14–8(41) / 2012 दिनांक 31 दिसम्बर, 2014 का अवलोकन करें जिसके प्रस्तर–2(2) में दिये गये निर्देशानुसार किसी नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा सूचना मांगने पर निदेशालय द्वारा रिक्त पदों की सूचना दी जानी होती है। आप लिपिकीय संवर्ग के नियुक्ति प्राधिकारी हैं और आप द्वारा इस संवर्ग के कर्मचारियों की पदोन्नति / नियुक्ति की जाती है। शासन से लिपिकीय संवर्ग के पदों के सम्बन्ध में स्वीकृत पद / भरे पद / रिक्त पदों एवं अधिसंख्य पदों की सूचना उपलब्ध कराये जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निम्न प्रारूप पर लिपिकीय संवर्ग के पदों से सम्बन्धित सम्पूर्ण वांछित सूचना एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इसमें किसी प्रकार का विलम्ब मान्य न होगा।

प्रारूप

क0 सं0	पदनाम व वेतनमान	स्वीकृत पद	भरे पद	रिक्त पद	अधिसंख्य पद	अभियुक्ति

भवदीय,

09/10/15

(डा0राजेश बाबू)
निदेशक,
प्रशासन एवं विकास